दोनों देशों को लाभ

अमेरिका का अब तक का सबसे बड़ा व्यापार प्रतिनिधिमंडल भारत की यात्रा पर

लॉरिंडा कीज लौंग

भारत कारोबार के लिए तैयार है। अमेरिका के वाणिज्य मंत्रालय का अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रशासन अमेरिका से कारोबारी प्रमुखों को पिछले छह महीने से यह बात कह रहा है जिससे कि उनमें से लगभग 200 लोगों को अमेरिकी सरकार की अगुवाई में भारत जाने वाले व्यापार विकास प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने को प्रोत्साहित किया जा सके। नवंबर के महीने में अंतरराष्ट्रीय व्यापार अंडर सेक्रेटरी फ्रैंकलिन एल. लैविन के साथ आ रहे ज्यादातर कारोबारी प्रमुख लघु और मझोली आकार की कंपनियां चलाते हैं। अमेरिका में अर्थव्यवस्था का 70 फीसदी हिस्सा इन्हीं के बूते आगे बढ़ता है। इनमें से बहुत सी कंपनियां पहली बार भारत में निवेश, भागीदारी और उत्पादन तथा बिक्री के मौके देख रही हैं।

अमेरिका का अब तक का सबसे बड़ा व्यापार प्रतिनिधिमंडल भारत क्यों आ रहा है?

अमेरिकी दूतावास में कारोबारी मामलों के मिनिस्टर काउंसलर कैर्मिन डी'एलोइसियो कहते हैं, ''हम बड़ा प्रभाव डालना चाहते थे। यह व्यापार विकास दल सिर्फ प्रतिनिधिमंडल में शामिल 200 कंपनियों तक सीमित नहीं है बल्कि उन अन्य कंपनियों से भी रूबरू है जहां यह बात सुनी और पढ़ी जाएगी और यह समझ बनेगी कि भारत व्यापार के लिए सही जगह है।''

26 नवंबर से 6 दिसंबर के दौरान भारत में रहने वाले इस प्रतिनिधमंडल का ध्यान भारतीय और अमेरिकी कंपनियों के लिए सर्वाधिक संभव साझा संबंध तलाशने पर केंद्रित है। इसके लिए कारोबारी मुखियाओं को कारोबार के क्षेत्र के अनुरूप बांटना, उन्हें भारत में छह शहरों की यात्रा के लिए समूहों में विभाजित करना और दो दिवसीय विशाल व्यापार शिखर सम्मेलन का प्रबंधन शामिल है जिसमें वे 300 कंपनियां भाग लेंगीं जो फैडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और भारतीय उद्योग परिसंघ की सदस्य हैं। अमेरिका के कारोबारी लोगों को भारत के कारोबार और उद्योग जगत के अग्रणी लोगों के साथ ही उच्चस्तरीय सरकारी प्रतिनिधियों से आमने-सामने मिलने का मौका मिलेगा और वे भारत के व्यापार परिदृश्य के बारे में आकलन कर सकेंगे।

डी'एलोइसियो कहते हैं, ''हम उन्हें साथ-साथ ला रहे हैं और उन्हें कारोबार करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।'' अमेरिका की वाणिज्यिक सेवा अमेरिका के वाणिज्य मंत्रालय के अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रशासन की व्यापार को बढ़ावा देने वाली शाखा है। इसकी स्थापना 1980 में छोटी और मझोली कंपनियों को भागीदारों के साथ कारोबार करने, व्यापार के अवसरों को बढ़ाने और ज्यादा विकास हासिल करने के उद्देश्य से की गई।

''भारत आपसे कारोबार के लिए तैयार है।'' अमेरिका की वाणिज्यिक सेवा अमेरिका के व्यापारिक मुखियाओं को यह संदेश अपनी वेबसाइट पर दे रही है (http://www. export.gov/indiamission/)। इस पर कहा गया है, ''यदि आप तेजी से बढ़ते इस बाजार में बिक्री करना चाहते हैं या इसे बढ़ाने के लिए तैयार हैं तो हमारा भारत व्यापार विकास प्रतिनिधिमंडल ऐसा अवसर है जिसे छोड़ना आपके लिए ठीक नहीं होगा।'' अमेरिकी सरकार भारत के उन खरीददारों, भागीदारों, एजेंटों और वितरकों से सीधे आमने-सामने बैठकों का इंतजाम कर रही है जिनके बारे में पहले से पड़ताल कर ली गई है। इसके अलावा बेंगलूर, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद, मुंबई और नई दिल्ली में मार्केट के बारे में जानकारी, मेलजोल के लिए स्वागत समारोह और व्यापारिक मुलाकातों का प्रबंध भी किया जा रहा है।

डी'एलोइसियो कहते हैं कि भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में सफलतापूर्वक व्यापार करने के लिए अहम कारक है सही भागीदारों की तलाश। यही कारण है कि अमेरिका के व्यापारिक समुदाय को भारत में सब तरफ जाने और स्थानीय स्तर पर अच्छी जानकारी जुटाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। अमेरिका के व्यापार जगत के अग्रणी लोग भारत आने के सिर्फ इच्छुक नहीं हैं बल्कि वे अपनी यात्रा, रहने और खाने के खर्चों के अलावा 2,100 डॉलर प्रति व्यक्ति का अतिरिक्त भुगतान करने को भी राजी हैं।

वे अमेरिकी सरकार के इस आकलन से प्रभावित हो रहे हैं कि भारतीय बाजार ''सही उत्पाद, सेवा और प्रतिबद्धता रखने वाले अमेरिकी निर्यातकों के लिए लुभावना है और विविध अवसर उपलब्ध कराता है।'' दोनों देशों के बीच माल का व्यापार अब तक के सर्वाधिक स्तर 26 अरब डॉलर तक जा पहुंचा है। भारतीय बाजार भी अब अमेरिकी उत्पादों के लिए खुल रहा है और दशकों पुराना इकतरफा, असुंतलित व्यापार रुझान ठीक हो रहा हैं जो अब भी भारतीय निर्यातकों की तरफ झुका है। वर्ष 2005 में अमेरिका का भारत को माल निर्यात 8 अरब डॉलर तक पहुंच गया। वर्ष 2002 के मुकाबले यह दो गुना है।

बेहतर संभावनाओं वाले क्षेत्र
अमेरिका से भारत को निर्यात

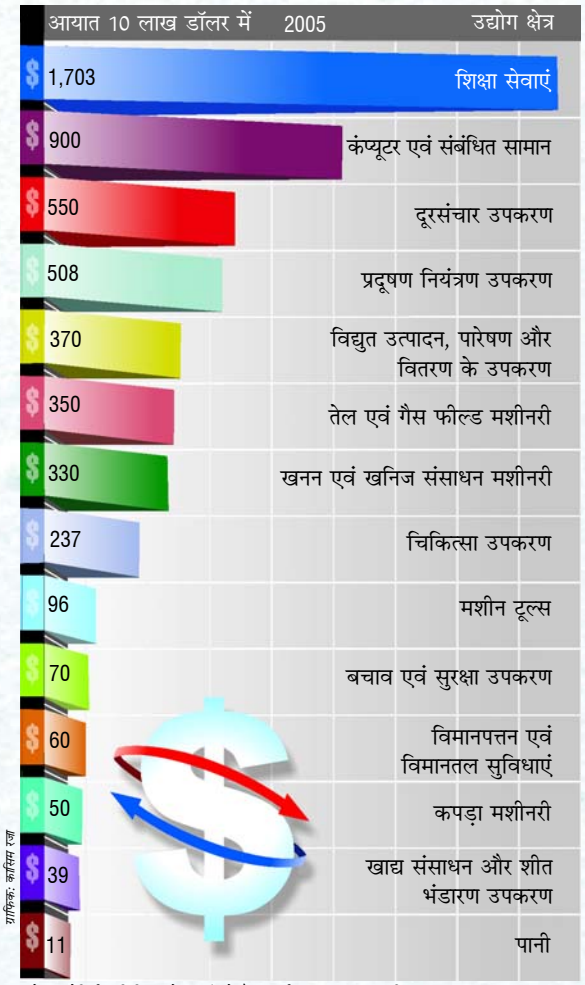

ग्राफिक: करिश्मा रजा

स्रोत: अमेरिकी वाणिज्यिक सेवा, आंकड़े गैरसरकारी आकलन पर आधारित।

ज्यादा जानकारी के लिए संपर्क करें:
वंदना छाबड़ा, फिक्की,
ईमेल: vandana@ficci.com या फोन करें:
011-23357395 या
011-23738760-70, एक्सटेंशन 410